

Date
21/04/2020

TEACHING OF MATHEMATICS

D.Ed. Ed IInd Sem

Topic- तीन अंकों के संख्याओं

Period- IIIrd

का लक्ष्य एवं मंश
अभाज्य गुणनखण्ड व भाग विधि

अभाज्य संख्याएँ ⇒

वे बड़ी प्राकृत संख्याएँ जो 1 और अपने
के अतिरिक्त किसी अन्य संख्या से पूरी-पूरी विभाजित न
हो अभाज्य संख्या या रम संख्या कहलाती है।

जैसे - 2, 3, 5, 7 ... आदि

भाज्य संख्याएँ ⇒

वे प्राकृत संख्या जो 1 और अपने के अतिरिक्त
किसी अन्य संख्या से भी पूरी-पूरी विभाजित हो जाती है
भाज्य संख्याएँ कहलाती है।

जैसे - 4, 6, 8, 9 ... आदि

सह-अभाज्य संख्याएँ ⇒

दो संख्याएँ सह-अभाज्य संख्याएँ कहलाती
है यदि उन दोनों संख्याओं का उभयगुण गुणनखण्ड 1 के
अतिरिक्त कोई न हो।

जैसे - (5 और 7), (3 और 11)

⇒ संख्या 1 न भाज्य है और न अभाज्य

⇒ ऐसी संख्या जो अभाज्य एवं रम संख्या हो
केवल 2 है।

अपवर्तक या गुणनखण्ड (Factor) \Rightarrow

कोई संख्या यदि दूसरी संख्या से पूर्णतया विभाजित हो जाती है तब दूसरी संख्या पहली संख्या का अपवर्तक या गुणनखण्ड कहलाती है।

जैसे 12 के अपवर्तक 1, 2, 3, 4, 6 और 12 हैं।

3 के अपवर्तक = 1, 3

8 के अपवर्तक = 1, 2, 4,

24 के अपवर्तक = 1, 2, 4, 3, 6, 8, 12, 24

\Rightarrow उपरोक्त संख्याओं के अपवर्तक से स्पष्ट है कि प्रत्येक संख्या का स्वयं का अपवर्तक है।

\Rightarrow अपवर्तकों की संख्या सीमित होती है।

अभाज्य गुणनखण्ड =

किसी संख्या के गुणनखण्ड या अभाज्य हैं तो उन्हें अभाज्य गुणनखण्ड कहते हैं।

Ex 18 के अभाज्य गुणनखण्ड = $2 \times 3 \times 3$

20 के अभाज्य गुणनखण्ड = $2 \times 2 \times 5$

Qm-1 36 के अभाज्य गुणनखण्ड ज्ञात करो।

Qm-2 64 के अपवर्तक ज्ञात करो।

Qm-3 48 के अभाज्य गुणनखण्ड ज्ञात करो।

Qm-4 72 के गुणनखण्ड ज्ञात करो।

Topic to be continue

Qm
21/04/2020